Hindi Murli Quiz 10-09-2015

Q.1) **Q. "मीठे बच्चे, तुम्हें यही चिंता रहे कि हम कैसे सबको ----------का रास्ता बतायें, सबको पता पड़े कि यही पुरूषोत्तम बनने का संगमयुग है"**

निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक उत्तर से उपरोक्त स्थान भरें ---

A. शान्तिधाम
B. सुखधाम
C. सूक्ष्मवतन

Q.2) **Q. "मनुष्य मुबारक तब देते, जब कोई जन्मता है, विजयी बनता है या शादी करता है या कोई बड़ा दिन होता है। परन्तु वह कोई सच्ची मुबारक नहीं। तुम बच्चे एक-दो को बाप का बनने की मुबारक देते हो। तुम कहते हो कि हम कितने खुशनशीब हैं, जो सब दु:खों से छूट सुखधाम में जाते हैं। तुम्हें दिल ही दिल में खुशी होती है।"**

A. True
B. False

Q.3) **Q. सभी सही वाक्य ही चयन करें ---**

A. लौकिक बाप को परमपिता नहीं कहा जाता। परमपिता तो एक ही है, उनको सब बच्चे भूल गये हैं ।
B. सब सुख में नही जायेंगे। कुछ सुख में, कुछ शान्ति में चले जायेंगे। कोई सतयुग में पार्ट बजाते, कोई त्रेता में, कोई द्वापर में।
C. तुम मूलवतन में रहते हो तो बाकी सब मुक्तिधाम में । मुक्तिधाम को ईश्वर का घर कहते हैं, बहिश्त नहीं कहते ।
D. अब बाप तुमको कहते हैं मुझे याद करो और सृष्टि चक्र को जानो और साथ में दैवीगुण भी धारण करो।
E. .तुम बच्चे ही औरों को ज्ञान समझाते हो । यह है आत्माओं का तीसरा नेत्र खोलना।

Explanation: --.तुम सतयुग में रहते हो तो बाकी सब मुक्तिधाम में, मुक्तिधाम को ईश्वर का घर कहते हैं, बहिश्त नहीं कहते ।

Q.4) **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं---**

	Choice	Match
A	सन्यासी लोगों के पास शास्त्रों का ज्ञान है।	बाप का ज्ञान तो जब बाप आये तब देवे।
B	मनुष्य कह देते भगवान नाम-रूप से न्यारा है।	फिर कहते हैं पत्थर-ठिक्कर, कच्छ-मच्छ सबमें है तो वह नाम-रूप हो जाता है।
C	बाप को ख्याल आया कि जाकर सबको सुखी बनाऊं,	साथ में बच्चों को भी मददगार बनना है। अकेले बाप क्या करेंगे।
D	बच्चे प्रदर्शनियाँ करते हैं, फिर भी मनुष्य समझते नहीं हैं	इसलिए और उपाय करने हैं, फट से तो कोई सम्पूर्ण नहीं बन सकते।
E	सब पुरूषार्थ करने लग पड़ें तो फिर वे स्वर्ग में आ जाएं।	यह हो ही नहीं सकता।

Q.5) **Q. " पिछाड़ी में सबको मालूम पड़ेगा, नीच कुल वाले मुबारक उनको देंगे जो विजय माला के दाने बनते हैं। जो पास होंगे उनको मुबारक मिलेगी, उनकी ही पूजा होती है। मनुष्यों को बिल्कुल पता नहीं कि बाप के पास कैसे पहुँचें। कह देते हैं सब रास्ते परमात्मा से मिलने के हैं। परन्तु बाप कहते हैं यह भक्ति, दान-पुण्य तो जन्म-जन्मान्तर करते आये हो परन्तु रास्ता नही मिला l कह देते यह सब अनादि चलता आया है, परन्तु कब से शुरू हुआ? अनादि का अर्थ नहीं समझते।"**

A. True
B. False

Q.6) **Q. निम्नलिखित रिक्त स्थान एक शब्द से ही भरें --------**
"बोलो अल्लाह के बच्चे तुम भी ---------हो। -------- चाहती है कि हम अल्लाह के पास जायें। -------- जो पहले पवित्र थी, अभी पतित बनी है। पावन कैसे बनें जो अल्लाह के घर जायें। वहाँ विकारी -------- होती नहीं। वाइसलेस होनी चाहिए।"

- आत्मा
- अत्मा
- ATMA
- आतमा
- AATMAA

Q.7) **Q. "आत्मा कोई फट से तो सतोप्रधान नहीं बनती। यह सब विचार सागर मंथन किया जाता है। बाबा का विचार सागर मंथन चलता है तब तो समझाते हैं ना। ----------निकालनी चाहिए, किसको कैसे समझायें।"**

निम्नलिखित विकल्पों में से सबसे सटीक शब्द से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें ---

A. युक्तियाँ
B. विधि
C. उपाय
D. तरीका

Q.8) **Q. धारणा के अनुसार केवल सही वाक्य ही चयन करें ------**

A. जैसे बाप को ख्याल आया कि मैं जाकर बच्चों को दु:खों से छुड़ाऊं, ऐसे बाप का मददगार बनना है।
B. घर-घर में पैगाम पहुँचाने की युक्तियाँ रचनी हैं।
C. सर्व की मुबारकें प्राप्त करने के लिए विजय माला का दाना बनने का पुरूषार्थ करना है।
D. पूज्य बनाने का पुरुषार्थ करना है।

Explanation: पूज्य बनना है।

Q.9) **Q. "सबसे बड़ी बीमारी है चिंता, इसकी दवाई डाक्टर्स के पास भी नहीं है। चिंता वाले जितना ही प्राप्ति के पीछे दौड़ते हैं उतना प्राप्ति आगे दौड़ लगाती है। 'सदा एक बल एक भरोसा'--यह पांव अचल है तो विजय निश्चित है। निश्चित विजयी सदा ही निश्चिन्त हैं। माया निश्चय रूपी पांव को हिलाने के लिए ही भिन्न-भिन्न रूप से आती है लेकिन माया हिल जाए परन्तु आपका निश्चय रूपी पांव न हिले तो निश्चिन्त रहने का वरदान मिल जायेगा।"**

A. True
B. False

Q.10) **Q. निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें ----**
"हर एक की विशेषता को देखते जाओ तो --------- आत्मा बन जायेंगे।"

- विशेष
- विषेश
- विशेश
- VISHESH